


---

Shri Gananatha Stotram Janmamrityuvihinam

——  
जन्ममृत्युविहीनं श्रीगणनाथस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Shri Gananatha Stotram Janmamrityuvihinam

File name : gaNanAthastotramjanmamRRityuvihInaM.itx

Category : ganesha, mudgalapurANa, stotra

Location : doc\_ganesha

Proofread by : Yash Khasbage, Preeti Bhandare

Description/comments : mudgalapurANaM navamaH khaNDaH | adhyAyaH 12 | 9.12 44-52||

Latest update : June 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 4, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



## जन्ममृत्युविहीनं श्रीगणनाथस्तोत्रम्



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गर्भ उवाच ।

नमस्ते गणनाथाय ब्रह्मणे ब्रह्मरूपिणे ।

अनाथानां प्रणाथाय विघ्नेशाय नमो नमः ॥ १ ॥

ज्येष्ठराजाय देवाय देवदेवेशमूर्तये ।

अनादये परेशाय चादिपूज्याय ते नमः ॥ २ ॥

सर्वपूज्याय सर्वेषां सर्वरूपाय ते नमः ।

सर्वादये परब्रह्मन् सर्वेशाय नमो नमः ॥ ३ ॥

गजाकारस्वरूपाय गजाकारमयाय ते ।

गजमस्तकधाराय गजेशाय नमो नमः ॥ ४ ॥

आदिमध्यान्तभावाय स्वानन्दपतये नमः ।

आदिमध्यान्तहीनाय त्वादिमध्यान्तगाय ते ॥ ५ ॥

सिद्धिबुद्धिप्रदात्रे च सिद्धिबुद्धिविहारिणे ।

सिद्धिबुद्धिमयायैव ब्रह्मेशाय नमो नमः ॥ ६ ॥

शिवाय शक्तये चैव विष्णवे भानुरूपिणे ।

मायिनां मायया नाथ मोहदाय नमो नमः ॥ ७ ॥

किं स्तौमि त्वां गणाधीश यत्र वेदादयोऽपरे ।

योगिनः शान्तिमापन्ना अतस्त्वां प्रणमाम्यहम् ॥ ८ ॥

रक्ष मां गर्भदुःखात्त्वं त्वामेव शरणागतम् ।


जन्ममृत्युविहीनं वै कुरुष्व ते पदप्रियम् ॥ ९ ॥

इति जन्ममृत्युविहीनं श्रीगणनाथस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


- ॥ मुद्गलपुराणं नवमः खण्डः । अध्यायः १२ । ९.१२ ४४-५२ ॥

- .. mudgalapurANaM navamaH khaNDaH . adhyAyaH 12 . 9.12 44-52..

Proofread by Yash Khasbage, Preeti Bhandare

——  
*Shri Gananatha Stotram Janmamrityuvihinam*

pdf was typeset on June 4, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

